

11

प्रेषक,

सुरेन्द्र सिंह रावत,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 01 जून, 2011

विषय :- यात्रा मार्गों में पेयजल व्यवस्था के सुदृढीकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या 1025/अप्रै0-03/प्राक्कलन यात्रा-मार्ग/2011-12 दिनांक 11.05.2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में चारधाम यात्रा मार्ग में पेयजल व्यवस्था किये जाने हेतु ₹ 50.00 लाख (₹ पचास लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- धनराशि वास्तवित आवश्यकतानुसार किशतों में मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार में प्रस्तुत करके आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या व दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध कराई जायेगी।

3- कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

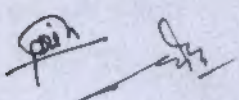
6- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्यनजर रखते एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

8- निर्माण सामग्री क्रय करने एवं कार्य सम्पादन हेतु मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।

9- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।

10- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।





- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 एवं निर्माण एजेन्सी के विषय में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2012 तक उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा तथा यदि कोई बचत होती है तो उसे राजकोष में समर्पित कर दिया जायेगा।
- 13- कार्य की गुणवत्ता तथा समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 14- कार्य के मध्य तथा इसके पूर्ण होने पर उक्त कार्य की गुणवत्ता की जाँच किसी तृतीय पक्ष से करायी जायेगी और इसका खर्च उक्त अनुमोदित लागत से ही वहन किया जायेगा।
- 15- गत वर्षों में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा वित्तीय व भौतिक प्रगति भी शासन को तत्काल प्रस्तुत कर दिया जाय।
- 16- उक्त स्वीकृत धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति- आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-06-चारधाम यात्रा/पर्यटन मार्गों पर पेयजल उपलब्ध कराना-00-20-सहायक अनुदान/ अशंदान/ राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
- 17- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 43/XXVII (2)/2011 दिनांक 27 मई, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सुरेन्द्र सिंह रावत)  
अपर सचिव

प्र०सं० 621(i) /उन्तीस(2)/11-2(101पे०)/2005 तददिनांकित  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रभारी प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड जल संस्थान।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री जी।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सैन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 12. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव